बीएचईएल और केरल सरकार ने रेलवे और उद्योगों के लिए एक सयुंक्त उद्यम की स्थापना की; परिवहन, उद्योग और अक्ष्य ऊर्जा क्षेत्रों में बीएचईएल की उपस्थिति में वृद्धि हेतु एक सामरिक कार्रवाई

नई दिल्ली, 08 सितम्बरः परिवहन, उद्योग और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति वृद्धि हेतु एक सामरिक कार्रवाई के तहत भारत की ऊर्जा संबंधित इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की सबसे बड़ी इंजीनियिरिंग और विनिर्माण उपक्रम भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) और केरल सरकार ने आज यहां एक संयुक्त उद्यम अनुबन्ध पत्र पर हस्ताक्षर किए ।

इस संयुक्त उद्यम अनुबन्ध का उद्धेश्य केरल सरकार के उपक्रम, केरल इलेक्ट्रिकल एंड ऍलाईड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (केईएल) के कसारगोड ईकाई जो कि विभिन्न आकार के 1500 केवीए क्षमता के ऑल्टरनेटर और पावर पैक बनाती है, का अधिग्रहण है ।

इस समझौता ज्ञापन पर भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबन्धक निदेशक, श्री बी.पी. राव और केरल सरकार के सचिव, उद्योग (आईपी), श्री अलकेश कुमार शर्मा द्वारा उद्योग मंत्रालय एवं लोक उद्यम सचिव (भारी उद्योग), श्री बी.एस.मीना, कमांडर (रिटायर्ड) के. शम्सुदीन, प्रबन्ध निदेशक, केईएल, बीएचईएल के निदेशक मंडल एवं केईएल, बीएचईएल, भारी उद्योग मंत्रालय और केरल सरकार के वरिष्ठ अधिकारीगण की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये गये ।

संयुक्त उद्यम करार के अनुसार केईएल कसागोड, बीएचईएल के साथ एक स्वतन्त्र व्यापार ईकाई के रूप में कार्य करेगी जिसमें 51% की बहुमत पणदारिता बीएचईएल की होगी और शेष 49% केरल सरकार की होगी । सहक्रियात्मक लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए दोनों सार्वजनिक संस्थानों की सुदृढ़ता का यह संयुक्त उद्यम प्रमुख क्षेत्रों जैसे परिवहन, उद्योगों और अक्षय ऊर्जा के एक विशेष श्रेणी के उत्पादों का विनिर्माण कर उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा । यह संयुक्त उद्यम दोनों कम्पनियों की प्रतिभाओं का संचय करेगा जिसके तहत वर्तमान ईकाई की क्षमताओं का पूर्ण उपयोग एवं क्षमतावर्धन शामिल है ।

भारतीय रेल, उद्योग और अक्षय ऊर्जा क्षेत्रों में बढती मांग को पूरा करने के लिए वर्तमान उत्पादों के अलावा नए उत्पाद भी जोड़े जायेंगे । नये जोड़े जाने वाले उत्पादों में शामिल हैंः विडं एनर्जी जेनरेटर, इंडक्शन मोटर, परमानेंट मैगनेट ऑल्टरनेटर्स एवं उच्च क्षमता की पावर कार । इन नए उत्पादों को जोड़ने एवं क्षमतावर्धन हेतु बीएचईएल आवश्यक तकनीकी एवं प्रबन्धकीय सहायता के साथ-साथ जरूरी निवेश भी करेगी ।

यह संयुक्त उद्यम वर्ष के अन्त तक कार्य प्रारम्भ कर देगा एवं पांच साल के अन्त तक इसकी पूर्ण विनिर्माण क्षमता हासिल करने की अपेक्षा है । कुल कारोबार में भी वतर्मान से 3 से 4 गुना वृद्धि की संभावना है ।

बीएचईएल, देश के ढांचागत विकास कार्यक्रम के प्रति प्रतिबद्ध है और देश की बुनियादी क्षेत्रों की मांग को पूरा करने के लिये खुद को तकनीक, सुविधाओं व प्रशिक्षित कर्मचारियों से सुसज्जित कर अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करती है । परिवहन के क्षेत्र में भारतीय रेल को बीएचईएल ट्रेक्शन इक्विपमेंट, इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव देने वाला प्रमुख आपूतिकर्ता है । कंपनी, रेलवे के रोलिंग स्टॉक और रेल नेटवर्क की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारी कर रही है ।

केईएल की कसारगोड ईकाई सन 1990 से फ्रांस की लेराय सोमर के साथ तकनीकी सहयोग के तहत पावर कार में प्रयोग होने वाले डीजी सेट के लिए अच्छे मार्किट हिस्सेदारी के साथ ब्रशलैस ऑल्टरनेटर बना रही है । केईएल ने ट्रेक्शन और उद्योग में प्रयोग होने वाले ब्रशलैस ऑल्टरनेटर का डिजाइन एवं विनिर्माण भी किया है । बीएचईएल, डीईएमयूएस, ऑयल रिग्स एवं शंटिंग लोकोमोटिव की आवश्यकताओं में केईएल कसारगोड के साथ सामरिक जोड़ देखता है ।